माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ,राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम सत्र 2025–2026

चित्रकला

विषय कोड - 17

कक्षा–12

इस विषय में दो प्रश्नपत्र–सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक की परीक्षा होगी। परीक्षार्थी को दोनों पत्रों में पृथक–पृथक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार हैं –

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है–				
प्रश्न पत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	3:15	24	06	30
प्रायोगिक		25+25+20 =70	0	70

कुल अंक 24

1.पांडुलिपि चित्रकला की परंपरा 2
The Manuscript Painting Tradition
2. राजस्थानी चित्रकला भौली 4
The Rajasthani Schools of Painting
3. मुगलकालीन लघु चित्रकला 3
The Mughal School of Miniature Painting
4.दक्कनी चित्रकला भौली 3
The Deccani Schools of Painting
5. पहाड़ी चित्रकला भौली 2.5
The Pahari Schools of Painting
6.बंगाल स्कूल और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद 3
The Bengal School and Cultural Nationalism
7. आधुनिक भारतीय कला 4
The Modern Indian Art
8. भारत की जीवित कला परंपराएं 2.5
The Living Art Traditions of India

1 पाण्डुलिपि चित्रकला परंपरा 2
पश्चिमी भारतीय चित्रकला शैली, पाल चित्रकला शैली
1 The Manuscript Painting Tradition
Western Indian School of Painting. Pala School of Painting

2 राजस्थानी चित्रकला शैली **4**
चित्रकला के विषय - एक समीक्षा। **मालवा चित्रकला शैली , मेवाड़ चित्रकला शैली, बूंदी चित्रकला शैली, कोटा चित्रकला शैली, बीकानेर चित्रकला शैली, किशनगढ़ चित्रकला शैली, जोधपुर चित्रकला शैली, जयपुर चित्रकला शैली,**

BSER

मुख्य चित्र – **भागवत पुराण, मारू रागिनी, राजा अनिरुद्ध सिंह हाड़ा , चौगान खिलाड़ी** , झूले पर कृष्ण एवं उदास राधा, **बनी ठणी** । चित्रकूट में राम व उनके परिवार का मिलन।

2 The Rajasthani Schools of Painting

Themes of Paintings – An Overview. Malwa School of Painting. Mewar School of Painting. Bundi School of Painting. Kota School of Painting. Bikaner School of Painting. Kishangarh School of Painting. Jodhpur School of Painting. Jaipur School of Painting. Bhagvata Purana. Maru Ragini. Raja Aniruddha Singh Hara. Chaugan Players. Krishna Swinging and Radha in Sad Mood. Bani Thani. Rama meets Members of his Family chitrakut

3 मुगलकालीन चित्रकला शैली **3**

मुगल चित्रकला पर विभिन्न **प्रभाव** , **प्रारंभिक मुगल चित्रकला** , उत्तर मुगल कला, **मुगल चित्रकला की प्रक्रिया। मुगल चित्रकला** के **रंग और तकनीक।**

मुख्य चित्र – नोआस आके , गोर्वधन पर्वत को उठाते हुए कृष्ण , पक्षी विश्राम पर बाज , **ज़ेबरा** , **दारा शिकोहो की बारात**।

3 The Mughal School of Miniature Painting.

Influences on Mughal Painting. Early Mughal Painting. Later Mughal Painting. Process of Mughal Painting. Colours and Technique of Mughal Painting. Noah's Ark .Krishna lifts Mount Govardhan. Falcon on a Bird Rest. Zebra. The Marriage Procession of Dara Shikoh

4 दक्कनी चित्रकला शैली – **3**

अहमदनगर चित्रकला शैली , **बीजापुर** चित्रकला शैली, **गोल**कुण्डा चित्रकला शैली ।

मुख्य चित्र – संयोजित **घोड़ा** , **सुल्तान इब्राहिम आदिल शाह ॥. राग हिंडोला की रागिनी** पथमासिका , **सुल्तान अब्दुल्ला कुतुब शाह, हजरत निजामुद्दीन औलिया और अमीर खुसरो, पोलो खेलती** हुई **चांद बीबी।** एक बगीचे में कवि।

4. The Deccani Schools of Painting

Ahmadnagar School of Painting. Bijapur School of Painting. Golconda School of Painting. Composite Horse. Sultan Ibrahim Adil Shah II Hawking.Ragini Pathamsika of Raga Hindola. Sultan Abdullah Qutb Shah. Hazrat Nizamuddin Auliya and Amir Khusrau. Chand Bibi playing Polo. Poet in a Garden.

5- पहाड़ी चित्रकला शैली – 2.5

बसोहली शैली, **गुलेर** शैली, **कांगड़ा** शैली,

मुख्य चित्र – प्रतीक्षारत कृष्ण और संशयशील राधा, **बलवंत सिंह नैनसुख के साथ एक** चित्र देखते हुए, **नंद, यशोदा और कृष्ण।** रस. मंजरी – बसोहली, वन में राम और सीता राम अपनी सम्पत्ति का दान करते हुए –शांगरी रामायण, गोपियो को गले लगाते कृष्ण, कालिया मर्दन, गोपियो के साथ होली खेलते कृष्ण, अभिसारिका नायिका

The Pahari Schools of Painting

Basohli School.Guler School. Kangra School. Awaiting Krishna and the Hesitant Radha. Balwant Singh looking at a Paintingwith Nainsukh. Nanda, Yashoda and Krishna**. Rasanamnjari- Basohli, Rama and sita in the forest, Rama gives away this possessions-Shangari..Ramayan , Krishna Embracing Gopis, Kaliya Mardana, Krishna Playing Holi with gopis , Abhisharika Nayika.**

BSER

6- बंगाल स्कूल और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद **3**

कंपनी चित्रकला, राजा रवि वर्मा । बंगाल स्कूल– अबनिंद्रनाथ टैगोर और ई.बी. हैवेल, शांतिनिकेतन - प्रारंभिक आधुनिकतावाद, अखिल-एशियावाद और आधुनिकतावाद, आधुनिकतावाद की विभिन्न अवधारणाएँ: पश्चिमी और भारतीय,

मुख्य चित्र – मिट्टी की जुताई, रास-लीला, राधिका, रात्रि में शहर, समुद्र का मानमर्दन करते राम, बच्चे के साथ महिला , यात्रा का अंत।

6. The Bengal School and Cultural Nationalism

Company Painting. Raja Ravi Varma. The Bengal School. Abanindranath Tagore and E. B. Havell. Shantiniketan — Early modernism. Pan-Asianism and Modernism. Different Concepts of Modernism: Western and Indian. Tiller of the Soil. Rasa-Lila. Radhika .City in the Night. Rama Vanquishing the Pride of the Ocean. Woman with Child. Journey's End.

7- आधुनिक भारतीय कला **4**

भारतीय कला में आधुनिकता का परिचय, भारत में आधुनिक विचारधारा और राजनीतिक कला, प्रगतिशील कलाकार समूह मुम्बई और बहुमुखी भारतीय कला, अमूर्त एक नई अवधारणा, आधुनिक भारतीय कला का विश्लेषण, नवीन कला आकृतियां और 1980 के बाद की आधुनिक कला। न्यू मीडिया आर्ट– 1990 के दशक से

मुख्य चित्र और मूर्तियाँ – मध्यकालीन संतों का जीवन, मदर टेरेसा, हल्दी पीसती, पूर्वपल्ली से परियों की कहानियाँ, भँवर, बच्चें, देवी, दीवारों से दूर दक्षिण भारतीय ग्रामीण पुरुष-महिला, श्रम की विजय, संथाल परिवार, अनसुनी चीखें , गणेश, वनश्री।

7. The Modern Indian Art

Introduction to Modernism in India. Modern Ideologies and Political Art in India. The Progressive Artists' Group of Bombay and the Multifaceted Indian Art. Abstraction – A New Trend. Tracing the Modern Indian Art. The New Figurative Art and Modern Art from 1980s. New Media Art: from 1990s. The Lives of Medieval Saints. Mother Teresa. Haldi Grinder Fairy Tales from Purvapalli. Whirlpool. Children. Devi. Of Walls. Rural South Indian Man–Woman. Triumph of Labour.Santhal Family. Cries Un-heard. Ganesha Vanshri.

8- भारत की जीवित कला परंपराएं **2.5**

चित्रकारी परंपरा : मिथिला चित्रकला , वर्ली चित्रकला, गोंड चित्रकला , पिठोरो चित्रकला , पाटा चित्रकला (पट चित्रकला) , राजस्थान की फड़ लोककला , मूर्तिकला परम्परा– डोकरा ढलाई (कॉस्टिंग), (मृणमूर्ति) टेराकोटा।

8. The Living Art Traditions of India

Painting Tradition. Mithila painting. Warli painting. Gond painting. Pithoro painting. Pata painting. Phads of Rajasthan. Sculplural Traditions- Dhokra casting. Terracotta.

निर्धारित पुस्तक

भारतीय कला परिचय भाग–द्वितीय NCERT से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित
An Introduction to Indian Art Part-2 NCERT's Book Published under Copyright.

BSER

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम परीक्षा–2026

चित्रकला–प्रायोगिक (Drawing Practical)

विषय कोड (sub code)-17

कक्षा–12

1. **अंकन योजना**:

भाग I: **प्रकृति और वस्तु अध्ययन**,	25 **अंक**
(i) चित्रण ,**रचना**	10
(ii) माध्यम और **रंगों का** उपयोग	05
(iii) **समग्र प्रभाव**	10

Part Marking Scheme

I: Nature and Object Study,

(i) Drawing (composition)
(ii) Treatment of media/colours
(iii) Overall impression

भाग II: चित्र संयोजन	25 **अंक**
(i) **विषय पर जोर देने सहित संरचनागत व्यवस्था**	10
(ii) **माध्यम (रंग) और उपयुक्त रंग योजना का** उपयोग	05
(iii) **मौलिकता, रचनात्मकता और समग्र प्रभाव**	10

Part II: Painting Composition

(i) Compositional arrangement including emphasis on the subject
(ii) Treatment of media (colour) and appropriate colour scheme
(iii) Originality, creativity and overall impression

भाग III: सत्री; मूल्यांकन 20 **अंक**

(i) पूरे वर्ष में रेखांकन का रिकॉर्ड (20)

(ii) **किसी भी** माध्यम **में पांच चयनित प्रकृति और वस्तु अध्ययन अभ्यास** (05)

(iii) **उम्मीदवार द्वारा तैयार की गई तीन चयनित चित्र रचनाएं** (चित्र संयोजन) (03)

(iv) **किसी भी भारतीय लोक कला पर आधारित दो चयनित कृतियाँ (पेंटिंग)** (02)

Part III: Portfolio Assessment

(i) Record of the entire year's performance from sketch to finished product
(ii) Five selected nature and object study exercises in any media
(iii)Three selected painting compositions prepared by the candidate

BSER

(iv)Two selected works based on any Indian Folk Art (Painting)

2. **प्रश्नों का प्रारूप**:

भाग I: **प्रकृति और वस्तु अध्ययन**

अपने सामने एक ड्राइंग बोर्ड पर व्यवस्थित वस्तुओं के समूह के स्थिर जीवन को एक निश्चित बिन्दु **(आपको दिया गया) से** (15X11 इंच) **आकार के ड्राइंग पेपर पर रंगों में चित्रित करें और पेंट करें। आपकी ड्राइंग कागज के आकार के अनुपात में होनी चाहिए। वस्तुओं को उचित प्रकाश और छाया और परिप्रेक्ष्य आदि के साथ यथार्थवादी तरीके से चित्रित किया जाना चाहिए। इस अध्ययन में ड्राइंग बोर्ड को शामिल नहीं किया जाना है। नोट**: **वस्तुओं का एक समूह जो बाहरी और आंतरिक परीक्षकों द्वारा संयुक्त रूप से निर्देशों के अनुसार तय किया जाना है। प्रकृति अध्ययन और वस्तु अध्ययन के लिए वस्तुओं को** छात्रों **के सामने व्यवस्थित किया जाना है।**

2. Format of the Questions:

Part I: Nature and Object Study

> Draw and paint the still-life of a group of objects arranged on a drawing board before you, from a fixed point of view (given to you), on a drawing paper of half imperial size in colours. Your drawing should be proportionate to the size of the paper. The objects should be painted in realistic manner with proper light and shade and perspective, etc. In this study the drawing board is not to be included. Note : A group of objects to be decided by the external and internal examiners jointly as per instructions. The objects for nature study and object study are to be arranged before the candidates.

भाग II: चित्र संयोजन:

निम्नलिखित पांच विषयों में से किसी एक पर अपनी पसंद के किसी भी माध्यम (पानी/पेस्टल, टेम्परा, एक्रेलिक) में (15X11 इंच) आकार के ड्राइंग-पेपर पर क्षैतिज या लंबवत रूप से एक चित्र संयोजन **बनाएं। आपकी रचना मौलिक और प्रभावी होनी चाहिए। एक अच्छी तरह से तैयार की गई ड्राइंग**, माध्यम **के प्रभावी उपयोग**, **विषय पर उचित जोर देने और** चित्रतल के पूर्ण उपयोग **को महत्व दिया जाएगा।**

Part II: Painting Composition:

Make a painting - composition on any of the following five subjects in any medium (water/pastel, tempera, acrylic) of your choice on a drawing-paper of half imperial size either horizontally or vertically. Your composition should be original and effective. Weightage will be given to a well composed drawing, effective use of media, proper emphasis on the subject matter and utilization of full-space.

नोट: चित्र **रचना के लिए किन्हीं पांच विषयों को बाहरी और आंतरिक परीक्षकों द्वारा संयुक्त रूप से निर्देशों के अनुसार तय किया जाना है और भाग** II **के लिए परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले यहां उल्लेख किया जाना है।**

Note: Any five subjects for painting composition are to be decided by the external and internal examiners jointly as per instructions and are to mentioned here strictly just before the start of the examination for part II.

3. (ए) **प्रकृति और वस्तु अध्ययन के लिए वस्तुओं के चयन के निर्देश**:

BSER

1. **परीक्षकों (आंतरिक और बाहरी) को दो या तीन उपयुक्त वस्तुओं का चयन/निर्णय इस तरह से करना है ताकि प्राकृतिक और ज्यामितीय रूपों को वस्तुओं के समूह में शामिल किया जा सके**:

(i) **प्राकृतिक रूप- बड़े आकार के पत्ते और फूल, फल और सब्जियां आदि।**

(ii) **लकड़ी/प्लास्टिक/कागज/धातु/मिट्टी आदि जैसे घन, शंकु, प्रिज्म, बेलन और गोले से बने ज्यामितीय रूप।**

2. **वस्तुओं को आम तौर पर बड़े (उपयुक्त) आकार का चुना जाना चाहिए।** 3. **परीक्षा केंद्र के मौसम और स्थान के अनुसार प्रकृति से संबंधित वस्तु को वस्तुओं के समूह में शामिल किया जाना चाहिए। प्राकृतिक वस्तुओं को परीक्षा के दिन ही खरीदा/व्यवस्थित किया जाना चाहिए ताकि इसकी ताजगी बनी रह सके।** 4. **वस्तुओं के रंग और** तान **को ध्यान में रखते हुए, पृष्ठभूमि और अग्रभूमि के लिए अलग-अलग रंगों में दो** कपड़े या कागज **(एक गहरे** तान **(रंग) में और दूसरी हल्के** तान **(रंग) में भी शामिल की जानी हैं।**

3. (A) Instructions for the selection of the objects for Nature and Object Study:

1- The examiners (Internal and External) are to select/decide two or three suitable objects in such a way so that natural and geometrical forms may be covered in the group of objects:

(i) Natural-forms-large size foliage and flowers, fruits, and vegetables, etc.

(ii) Geometrical forms made of wood/plastic/paper/metal/earthen, etc., such as cube, cone, prism, cylinder and sphere.

2- Objects should be selected generally of large (suitable) size. 3. An object relating to nature, according to the season and location of the examination centre, must be included in the group of objects. The natural-objects should be purchased/arranged only on the day of the examination so that its freshness may be maintained. 4. Two draperies in different colours (one in dark and other in light tone) are also to be included for background and foreground, keeping in view the colours and tones of the objects.

(**बी**) चित्र–संयोजन **के लिए विषय तय करने के निर्देश**:

1. **परीक्षकों (आंतरिक और बाहरी) को पेंटिंग के लिए उपयुक्त पांच विषयों का चयन/निर्णय करना है**

2. **विषयों को इस तरह से** व्यवस्थित **किया जाना चाहिए कि उम्मीदवारों को विषयों के स्पष्ट विचार मिल सकें और वे अपनी कल्पना का स्वतंत्र रूप से प्रयोग कर सकें, क्योंकि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि आप क्या करते हैं, लेकिन आप इसे कैसे करते हैं।**

3. **परीक्षक (आंतरिक और बाहरी) संयुक्त रूप से विषयों का चयन/निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन ये बारहवीं कक्षा के मानक और स्कूल/छात्रों के वातावरण के अनुसार होने चाहिए।**

चित्र **रचना के लिए विषयों के कुछ चिन्हित क्षेत्र नीचे दिए गए हैं, जिनमें कुछ और क्षेत्रों को भी जोड़ा जा सकता है**:

(i) **पारिवारिक मित्रों के मामले और दैनिक जीवन।**

(ii) **पारिवारिक पेशेवरों के मामले।**

(iii) **खेल और खेल गतिविधियाँ।**

(iv) **प्रकृति**

(v) **काल्पनिक**

(vi) **राष्ट्रीय, धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक कार्यक्रम और समारोह**

(B) Instructions to decide the subjects for Painting-Composition:

BSER

1. The examiners (Internal and External) are to select/decide five subjects suitable for painting – composition
2. The subjects should be so designed that the candidates may get clear-cut ideas of the subjects and they can exercise their imagination freely, because it is not important what you do, but how you do it.
3. The examiners (Internal and External) jointly are free to select/decide the subjects, but these should be according to the standard of Class XII and environment of the school/candidates.

Some identified areas of the subjects for painting-composition are given below, in which some more areas may also be added:

(i) Affairs of family friends and daily life.
(ii) Affairs of family professionals.
(iii) Games and sports activities.
(iv) Nature
(v) Fantasy
(vi) National, religious, cultural, historical and social events and celebrations.

4. चित्र संयोजन में 3 क्रियाशील मानववृति अंकन अनिवार्य है।

Creatively 3 human figure compulsory and composition

4. **परीक्षकों को सामान्य निर्देश**:

1. खण्ड अ व खण्ड ब की प्रायोगिक परीक्षा एक दिन में छः घण्टे में सम्पन्न करवाई जाए। व्यावहारिकता की दृष्टि से दोनों के मध्य 30 मिनिट का अन्तराल दिया जाए।

2. वस्तु समूह को 2.5 x 2.5 के मॉडल स्टैण्ड पर रखा जाए। मॉडल स्टैण्ड नहीं होने की स्थिति में स्टूल/ड्राईग बोर्ड पर रखा जाए। पृष्ठ भूमि में उपर्युक्त रंग का कपड़ा अथवा कागज लगाया जावें। वस्तु दृष्टि से ऊपर न हों। मॉडल स्टैण्ड अथवा स्टूल की ऊंचाई 50 सेन्टीमीटर से अधिक न हो।

3. प्रायोगिक कार्य हेतु ड्रांईग शीट के साथ एक सादा कागज परीक्षार्थी को दिया जाएगा।

4. छात्रों को कला मेलों, चित्र प्रदर्शनियों (राज्य स्तरीय) का अवलोकन करवाया जाए एवं सत्र में एक बार मण्डल स्तर पर छात्र–छात्राओं के चित्रों की प्रदर्शनी आयोजित करवाई जाए।

4. General Instructions to the examiners:

1. The Practical Examination of section A and B Should be completed in six hours in a day. Form the point of view of practically, a gap of 30 minutes should be given between practical. A and B.
2. The set by objects should be placed on a model Stand measuring 2.5 X 2.5 in the absence of model stand; it should be placed on a stool/drawing board. Cloth or paper of the proper color should be applied in the back ground, the object should not be above the vision. The height of the model stand or stool should not exceed 50Cm.
3. A plain paper with drawing sheet is given to the examinee for practical work.
4. Students should be made to observe art fairs, Picture exhibitions (state level) and once in a session an exhibition of pictures of students should be organized at the division level.

निर्धारित पुस्तक

भारतीय कला परिचय भाग–द्वितीय NCERTसे प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित

An Introduction to Indian Art Part-2 NCERT's Book Published under Copyright

BSER